नेपाल सीमा पर सड़क एनएचएआइ बनाएगा

तैयारी

- राज्य सरकार के प्रस्ताव पर गृह मंत्रालय और एमओआरटीएच ने दी सहमति
- बिहार में तीन हजार करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 552 किमी सड़क
- भारतमाला प्रोजेक्ट में शामिल होगी यह सड़क

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार में भारत-नेपाल सीमा पर बनने वाली सड़क का निर्माण अब एनएचएआइ द्वारा कराया जाएगा। वर्तमान में यह जिम्मेदारी पथ निर्माण की है। योजना के संबंध में राज्य सरकार ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और गृह मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था कि इस प्रोजेक्ट का जिम्मा एनएचएआइ को सौंप दिया जाए। पथ निर्माण विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार राज्य सरकार के इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। अब इस प्रोजेक्ट को एमओआरटीएच द्वारा भारतमाला प्रोजेक्ट में शामिल किया जा रहा है। सीमा क्षेत्र पर बनने वाली सड़क को भारतमाला प्रोजेक्ट में शामिल किए जाने का प्रावधान है।

अब सात मीटर की जगह दस मीटर चौड़ी होगी सड़क: भारत-नेपाल सीमा पर बिहार में जिस 552 किमी सड़क का निर्माण किया जाना है वह अब दस मीटर चौड़ी होगी। पूर्व में बनी योजना के अनुसार इस सड़क की चौड़ाई सात मीटर थी और सड़क दो लेन में बनाई जानी थी पर अब सड़क ढाई लेन की होगी। इसके निर्माण पर लगभग तीन हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। जमीन का अधिग्रहण राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा।

मदनपुर से गलगलिया तक जाएगी सड़क

भारत-नेपाल सीमा पर बनने वाली सड़क का एलायनमेंट तय कर दिया गया है। यह नेपाल सीमा पर स्थित बिहार के कई जिलों से निकलते हुए पश्चिम बंगाल से मिलेगी। सड़क पश्चिम चंपारण के मदनपुर से शुरू होकर रक्सौल होते हुए बैरगनिया, सोनबरसा, जयनगर, वीरपुर, जोगबनी के रास्ते अररिया के गलगलिया पहुंचेगी। गलगलिया से इसे पश्चिम बंगाल की सीमा में प्रवेश करना है।